472. गधों का मेला लगता है-

(a) जयपुर (b) भरतपुर
(c) दौसा (d) धौलपुर

कनिष्ठ अभियंता (कृषि) सीधी भर्ती परीक्षा-10.09.2022

Ans. (a)– राजस्थान में गधों का मेला जयपुर के पास भावगढ़ बंध्या गाँव में लगता है। कहा जाता है कि मेले की शुरुआत 500 साल पहले कछवाहों ने चन्द्रमीणा नामक शासक को युद्ध में हराने के उपलक्ष्य में किया था।

473. महाशिवरात्रि पशु मेला किस स्थान पर आयोजित किया जाता है?

(a) करौली (b) जयपुर
(c) बाड़मेर (d) अजमेर

पशुधन सहायक भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (a) – महाशिवरात्रि पशु मेला करौली (सवाई माधोपुर) राजस्थान में आयोजित होता है। इस मेले के आयोजन का प्रारम्भ रियासत काल में हुआ था। इस मेले का आयोजन प्रतिवर्ष फाल्गुन कृष्ण पक्ष में किया जाता है। महाशिवरात्रि के पर्व पर आयोजित होने से इस पशु मेले का नाम महाशिवरात्रि पशु मेला पड़ गया है।

474. कल्याणजी का मेला कहाँ आयोजित होता है?

(a) जयपुर (b) आमेर
(c) फालना (d) डिग्गी

कनिष्ठ अभियंता (विद्युत/यांत्रिक)-2020
लवण निरीक्षक (उद्योग विभाग) भर्ती परीक्षा 2018

Ans. (d) – राजस्थान के टोंक जिले में मालपुरा तहसील में डिग्गी नामक स्थान पर डिग्गी कल्याणजी का प्रसिद्ध मंदिर स्थित है। जहाँ प्रत्येक वर्ष बैशाख पूर्णिमा, भाद्रपद एकादशी तथा श्रावण मास की अमावस्या को मेला लगता है।

475. किसकी स्मृति में तिलवाड़ा का पशु मेला आयोजित होता है?

(a) गोगाजी (b) पाबूजी
(c) मल्लिनाथजी (d) तेजाजी

LDC Exam-09.08.2018
पुस्तकालय भर्ती परीक्षा -2019
लवण निरीक्षक (उद्योग विभाग) भर्ती परीक्षा 2018

Ans. (c) – तिलवाड़ा का पशु मेला अथवा मल्लीनाथ जी पशुमेला राजस्थान राज्य के बाड़मेर जिले में आयोजित किया जाता है। विक्रम संवत 1431 में मल्लीनाथ के गद्दी पर बैठने के उपलक्ष्य में राजस्थान के दूर-दराज से लोग अनेक जानवरों की सवारी बनाकर पहुँचे। यहाँ आकर उन्होंने अपने ऊँट, घोड़ा, सुडौल बैलों आदि का आपस में आदान-प्रदान किया। जिसके उपलक्ष्य में बाड़मेर जिले के पचपदरा तहसील के तिलवाड़ा गाँव में लूनी नदी के किनारे प्रतिवर्ष चैत्र मास में इस मेले का आयोजन होता है।

476. मल्लिनाथ पशु मेला, तिलवाड़ा आयोजित किया जाता है-

(a) माघ माह में (b) अश्विन माह में
(c) चैत्र माह में (d) श्रावण माह में

कृषि पर्यवेक्षक -2021

Ans. (c) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

477. जीणमाता का मेला राजस्थान के किस जिले में वर्ष में दो बार आयोजित होता है?

(a) सिरोही (b) सीकर
(c) सवाई माधोपुर (d) जालौर

RPSC College Lecturer 31-10-2018

Ans. (b) : जीणमाता का मेला राजस्थान के सीकर जिले में प्रतिवर्ष दो बार आयोजित होता है। रैवासा में इनका मंदिर बना हुआ है। ये चौहान वंश की कुल देवी मानी जाती है। राजस्थानी लोक साहित्य में जीणमाता का गीत सबसे लंबा है। यह मंदिर पर्वत श्रेणियों के मध्य स्थित है। जो जीजाबाई की तपोभूमि हैं। जीणामाता को दुर्गा का अवतार माना जाता है। यह मेला चैत्र एवं आश्विन माह के नवरात्र में लगता है।

478. परबतसर का मेला किस लोक देवता की स्मृति में आयोजित किया जाता है?

(a) तेजाजी (b) पाबूजी
(c) गोगाजी (d) रामदेवजी

कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (सीरम) -2019
Lab Assistant (Home Science)-30.06.2022

Ans. (a) : नागौर जिले में परबतसर मेला राजस्थान का सबसे बड़ा पशु मेला है। यह मेला तेजाजी महाराज की स्मृति में प्रतिवर्ष भाद्रपद मास में आयोजित होता है। यह मेला नागौर नस्ल की गाय हेतु प्रसिद्ध है।

479. राजस्थान का ''तेजाजी पशु मेला'' निम्नांकित नस्लों में से किस एक के लिए प्रसिद्ध है?

(a) नाचना ऊँट (b) मुर्रा भैंस
(c) चोखला भेड़ (d) नागौर गाय

LDC Exam 16.09.2018

Ans. (d) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

480.तेजाजी मेले का आयोजन किया जाता है –

(a) मेड़ता (b) गोठ मांगलोद
(c) परबतसर (d) नागौर

उत्तर – (c)

RPSC RAS/RTS 2015

व्याख्या – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

481. 'कोलायत मेला' बीकानेर का प्रसिद्ध मेला है, इसका एक अन्य नाम है-

(a) ऊँट मेला (b) कपिल मुनि मेला
(c) बीकानेर जल मेला (d) उत्तर भारत मेला

पुस्तकालय (लाइब्रेरियन) भर्ती परीक्षा- 2019

Ans. (b) – कोलायत में लगने वाला कपिल मुनि का मेला बीकानेर जिले का एक बड़ा मेला माना जाता है। कार्तिक पूर्णिमा को लगने वाला यह मेला कपिल मुनि के सम्मान में आयोजित किया जाता है। इस मेले के अवसर पर यहाँ पर एक विशाल पशु मेला भी लगाया जाता है।

482. लाल्या-काल्या मेला आयोजित होता है-

(a) भरतपुर में (b) जयपुर में
(c) भीलवाड़ा में (d) अजमेर में

पटवार -2020 (24 अक्टूबर, 2021) Shift-IV

Ans. (d) – लाल्या-काल्या मेला का आयोजन अजमेर में नरसिंह जयंती के अवसर पर किया जाता है। राजस्थान के अन्य प्रमुख मेलों में पुष्कर मेला-अजमेर, कैलादेवी का मेला-सवाई माधोपुर, ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती का उर्स-अजमेर, बेणेश्वर का मेला- डूंगरपुर, भर्तृहरि का मेला- अलवर, करणी माता का मंदिर- बीकानेर आदि है।